भैरव चालीसा

॥ दोहा ॥

श्री भैरव संकट हरन,

मंगल करन कृपाल।

करहु दया निज दास पे,

निशिदिन दीनदयालु।॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

॥ चौपाई॥

जय डमरूधर नयन विशाला,

श्यामवर्ण, वपु महाकराला।

जय त्रिशूलधर जय डमरूधर,

काशी कोतवाल, संकट हर।

जय गिरिजासुत परम कृपाला,

संकटहरण, हरहु भ्रमजाला।

जयति बटुक भैरव भयहारी,

जयति काल भैरव बलधारी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अष्ट रूप तुम्हरे सब गाये,

सकल एक ते एक सिवाये।

शिवस्वरूप शिव के अनुगामी,

गणाधीश तुम सब के स्वामी।

जटाजूट पर मुकुट सुहावै,

भालचन्द्र अति शोभा पावै।

कटि करधनी घुंघरू बाजें,

दर्शन करत सकल भय भाजें।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

कर त्रिशूल डमरू अति सुन्दर,

मोरपंख को चंवर मनोहर।

खप्पर खड्ग लिये बलवाना,

रूप चतुर्भुज नाथ बखाना।

वाहन श्वान सदा सुखरासी,

तुम अनन्त प्रभु तुम अविनासी।

जय जय जय भैरव भय भंजन,

जय कृपालु भक्तन मनरंजन।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

नयन विशाल लाल अति भारी,

रक्तवर्ण तुम अहहु पुरारी।

बं बं बं बोलत दिनराती,

शिव कहं भजहु असुर आराती।

एक रूप तुम शम्भु कहाये,

दूजे भैरव रूप बनाये।

सेवक तुमहिं तुमहिं प्रभु स्वामी,

सब जग के तुम अन्तर्यामी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

रक्तवर्ण वपु अहहि तुम्हारा,

श्यामवर्ण कहुं होई प्रचारा।

श्वेतवर्ण पुनि कहा बखानी,

तीनी वर्ण तुम्हरे गुणखानी।

तीन नयन प्रभु परम सुहावहि,

सुरनरमुनि सब ध्यान लगावहिं।

व्याघ्र चर्मधर तुम जग स्वामी,

प्रेतनाथ तुम पूर्ण अकामी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

चक्रनाथ नकुलेश प्रचण्डा,

निमिष दिगम्बर कीरति चण्डा।

क्रोधवन्त भूतेश कालधर,

चक्रतुण्ड दशबाहु व्यालधर।

अहहिं कोटि प्रभु नाम तुम्हारे,

जयत सदा मेटत दुःख भारे।

चौसठ योगिनी नाचहिं संगा,

क्रोधवान तुम अति रणरंगा।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

भूतनाथ तुम परम पुनीता,

तुम भविष्य तुम अहहू अतीता।

वर्तमान तुम्हारो शुचि रूपा,

कालजयी तुम परम अनूपा।

ऐलादी को संकट टार्यो,

सदा भक्त को कारज सारयो।

कालीपत्र कहावहु नाथा,

तब चरणनु नावहुं नित माथा।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

श्री क्रोधेश कृपा विस्तारहु,

दीन जाति मोहि पार उतारहु।

भवसागर बूढ़त दिन-राती,

होहू कृपालू दुष्ट आराती।

सेवक जानि कृपा प्रभु कीजै,

मोहिं भगति अपनी अब दीजै।

करहुं सदा भैरव की सेवा,

तुम सामान दूजो को देवा।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अश्वनाथ तुम परम मनोहर,

दुष्टन कहं प्रभु अहहु भयंकर।

तुम्हरो दास जहाँ जो होई,

ताकहं संकट परै न कोई।

हरहु नाथ तुम जन की पीरा,

तुम समान प्रभु को बलवीरा।

सब अपराध क्षमा करि दीजै,

दीन जानि आपुन मोहिं कीजै।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जो याह पाठ करे चालीस,

तापै कृपा करहु जगदीशा।

॥ दोहा॥

जय भैरव जय भूतपति,

जय जय जय सुखकन्द।

करहु कृपा नित दास पे,

देहु सदा आनन्द।

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- अन्नपूर्णा चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीसा